मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY-004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)
(एम. ए. जे. वाई.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2024
एम.जे.वाई.-004 : कुण्डली निर्माण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल* ***दो*** *खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. अक्षांश, रेखांश, देशान्तर और सूर्योदय से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
2. नैसर्गिक मैत्री और तात्कालिक मैत्री को समझाते हुए पञ्चधा पैत्री को स्पष्ट कीजिए।
3. सोदाहरण द्वादश भाव साधन कीजिए।

4. दशम लग्न से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण दशम लग्न साधन कीजिए।
5. अष्टोत्तरी दशा से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
6. षड्वर्गों से आप क्या समझते हैं ? होरा, नवांश, द्रेष्काण चक्र बनाते हुए स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. राशियों का परिचय देते हुए, उनके स्वरूप का वर्णन कीजिए।
2. भयात एवं भभोग साधान विधि की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
3. ग्रहस्पष्टीकरण प्रक्रिया की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
4. नतकाल से आप क्या समझते हैं ? इसके साधन की विधि का उल्लेख कीजिए।
5. बुधाष्टक और गुर्वाष्टकवर्ग का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
6. चन्द्राष्टक और भौमाष्टक वर्ग का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
7. विंशोत्तरी महादशा से आप क्या समझते हैं ? वर्णन कीजिए।
8. दृष्टि कितने प्रकार की होती है ? वर्णन कीजिए।